

निबन्ध / ESSAY

निर्धारित समय : तीन घंटे

Time Allowed : **Three Hours**

अधिकतम अंक : 250

Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of the Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

निम्नलिखित खण्ड A और B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000 - 1200 शब्दों का हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the following Sections A and B, in about 1000 - 1200 words each : 125×2=250

खण्ड A

SECTION A

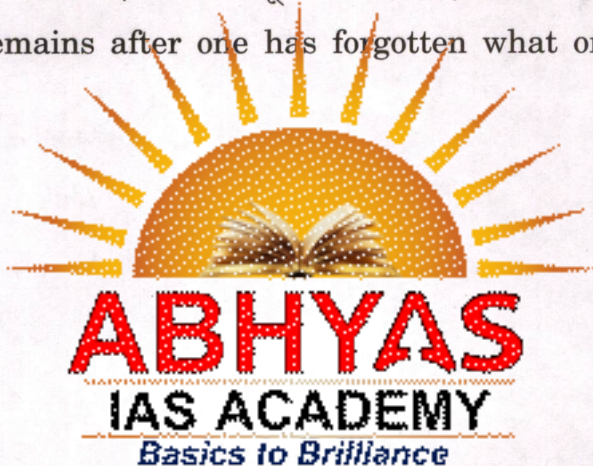
1. चिंतन एक तरह का खेल है, यह तब तक प्रारम्भ नहीं होता, जब तक एक विरोधी पक्ष न हो ।
Thinking is like a game, it does not begin unless there is an opposite team.
2. दूरदर्शी निर्णय तभी लिए जाते हैं जब अंतर्ज्ञान और तर्क का परस्पर मेल होता है ।
Visionary decision-making happens at the intersection of intuition and logic.
3. सभी भटकने वाले गुम नहीं होते हैं ।
Not all who wander are lost.
4. रचनात्मकता की प्रेरणा लौकिकता में चमत्कार ढूँढने से आयास से उपजती है ।
Inspiration for creativity springs from the ability to look for the magical in the mundane.



ABHYAS
IAS ACADEMY
Basics to Brilliance

खण्ड B
SECTION B

5. लड़कियाँ बंदिशों के तथा लड़के अपेक्षा के बोझ तले दबे हुए होते हैं — दोनों ही समान रूप से हानिकारक व्यवस्थाएँ हैं ।
Girls are weighed down by restrictions, boys with demands — two equally harmful disciplines.
6. गणित ज्ञान का संगीत है ।
Mathematics is the music of reason.
7. जिस समाज में अधिक न्याय होता है, उस समाज को दान की कम आवश्यकता होती है ।
A society that has more justice is a society that needs less charity.
8. शिक्षा वह है जो विद्यालय में सीखी गई बातों को भूल जाने के बाद भी शेष रह जाती है ।
Education is what remains after one has forgotten what one has learned in school.





ABHYAS

IAS ACADEMY

Basics to Brilliance